Economics is divided into 2 categories /

अर्थशास्त्र को दो हिस्सों में बाँटा गया है:

Micro-Economics / सूक्ष्म अर्थशास्त्र	**Macro-Economics / व्यापक अर्थशास्त्र**
It deals with individual unit / ये प्रत्येक व्यक्तिगत से संबंध रखता है	It deals with nation as a whole / ये पूरे राष्ट्र से संबंध रखता है
Price is the major determinant / कीमत इसका अहम हिस्सा है	Income is the major determinant / आय इसका अहम हिस्सा है
It depends on individual demand & individual supply / ये प्रत्येक मांग और प्रत्येक पूर्ति से संबंध रखता है	It depends on Aggregate demand and Aggregate supply / ये कुल मांग और कुल पूर्ति के नियम पर निर्भर करता है
Father & micro economics → Adam Smith / सूक्ष्म अर्थशास्त्र के पिता एडम स्मिथ।	Father of macro economics → J.M. Keynes. व्यापक अर्थशास्त्र के पिता जे एम केयनेस।

In 1933 → Ragner Frisch divided economics into micro and macro.

1933 में → Ragner Frisch ने अर्थशास्त्र को सूक्ष्म और व्यापक में बांटा था।

CH.: 1. Budget & Taxation / बजट और कराधान

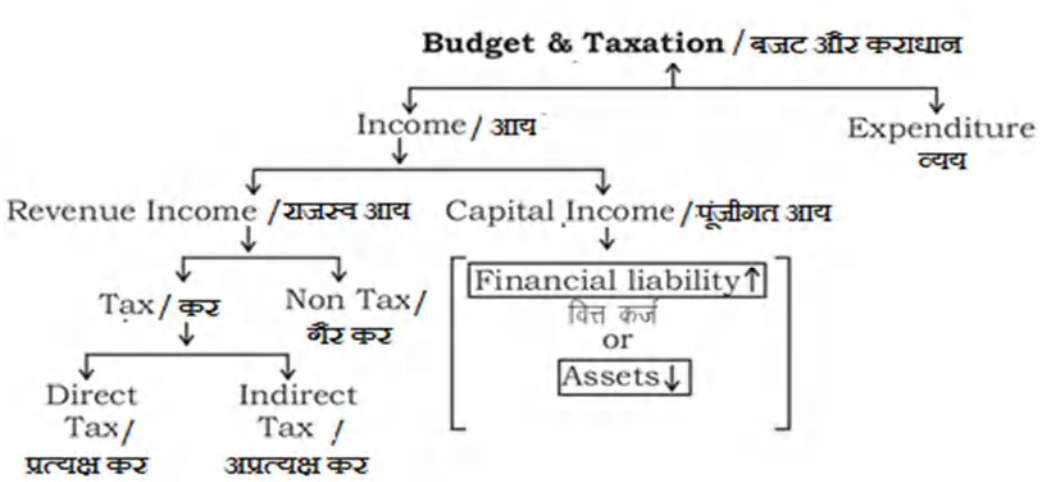

Budget: Budget comes from a French word "Buguet" which means "leather, bag" /

बजट : बजट को एक फ्रेंच भाषा "Buguet" से लिया गया है जिसका मतलब "leather, bag" है।

→ In constitution, According to Article 112, Budget word is replace by "Annual financial statements".
संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत Budget शब्द की जगह वार्षिक वित्तिय विवरण का इस्तेमाल है।

→ 1st of free India was announced on 26 Nov. 1947, by R.K. Shanmukham Chetty.
पहला Budget आजाद भारत का 26 Nov. 1947, में R.K. Shanmukham Chetty ने घोषित किया।

→ Budget is the expected income and expenditure of government in coming financial year.
आने वाले वित्तिय वर्ष का अनुमानित आय और खर्चा बजट कहलाता है।

→ **Income:** All sources of income for govt. is divided into 2 categories.
आय : सरकार की आय को दो भागों में बांटा गया है।

1. **Capital Income:** All those income which either increased financial liability or reduces assets.

   पूँजी आय : वो सारी आय जो या तो कर्जे बढ़ाया या परिसम्पत्तियाँ कम करें।

   Eg: (i) Borrowings of loans, (ii) Disinvestment

   उदाहरण : (i) सरकार का उधार मांगना, (ii) विनिवेश करना

2. **Revenue Income:** All those income which neither increases financial liabilities nor reduces assets.

   राजस्व आय : वो सारी आय जो न तो कर्जें बढ़ाये न परिसम्पत्ति कम करें।

   → It is divided into 2 categories / इन्हें दो भागों में बाटा गया है :

   (a) Non Tax → eg- Interest, dividend, fees, fines, railway etc.
   (b) Tax →

   → There are two types of taxes in economy–

   अर्थव्यवस्था में दो तरह के कर होते हैं।

   ⇒ **Direct Tax:** All those tax where liability to pay tax is not shifted to another person.

   प्रत्यक्ष कर : वो सारे कर जिसे देने का बोझ हम किसी दूसरे व्यक्ति पर नहीं डाल सकतें।

   → It is non-transferable / **यह गैर-हस्तांतरणीय है**

   → Central Board of direct taxes is responsible for collecting direct tax.

   Central Board of direct taxes / प्रत्यक्ष कर को जमा करने के लिए जिम्मेदार है।

   ⇒ **Indirect Tax:** All those tax where liability to pay tax is shifted to another person.

   अप्रत्यक्ष कर : वो सारे कर जिसे देने का बोझ हम किसी दूसरे व्यक्ति पर डाल सकते हैं।

→ It is transferable / **यह हस्तांतरणीय है।**

→ Central Board of excise & custom is responsible for collecting indirect taxes.

Central Board of excise & custom / अप्रत्यक्ष कर को जमा करने के लिए जिम्मेदार है।

GST (Goods & service Tax): One Nation One Tax / (सेवा और वस्तु कर) एक देश एक कर

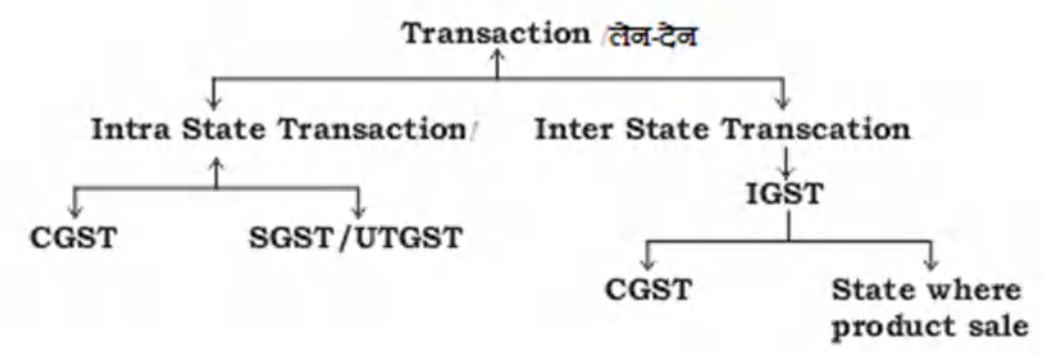

Tax Rate → 0%, 5%, 12%, 18%, 28%

GST → Destination based Tax.

→ In year 2000, Atal Bihari introduced the bill of GST and setup a committee headed by the then West Bengal finance minister (Asim Das Gupta) to design GST Model.

वर्ष 2000 **में, अटल बिहारी ने जीएसटी का बिल पेश किया और तत्कालीन पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री (असीम दास गुप्ता) की अध्यक्षता में एक समिति गठित की, जिसने** GST **मॉडल को डिजाइन किया।**

→ Art 279 (12 A) of constitution as amended by 101 constitution amendment Act 2016 define GST.

संविधान के अनुच्छेद 279 (12 क) को 101 वें संविधानिक संशोधन बिल 2016 जो GST को परिभाषित किया गया है।

→ There are 3 types of taxes introduced in GST.

तीन तरह के कर GST में लाये गये हैं :

(i) GST central goods & service tax
(ii) SGST state goods & service tax
(iii) IGST Integrated & service tax

→ IGST is charged by central Govt.

IGST को केन्द्रीय सरकार द्वारा लिया जाएगा।

→ Around 160 countries have already implemented GST.

लगभग 160 देशों में GST को लागू किया गया है।

→ France in year 1954 is the 1st country to adopt GST.

सबसे पहली बार फ्रांस में 1954 में लिया गया है।

→ Only 2 countries have dual GST concept (India & Canada).

दो देशों में द्वितीय GST है (भारत और कनाडा)।

→ India has adopted this dual GST from Canada.

भारत ने द्वितीय GST कनाडा से लिया है।

→ India has the highest GST Rate of 28%

भारत में सबसे ज्यादा GST का दर है 28% का।

→ 2nd highest rate is of Argentina of 27%.

दूसरा सबसे बड़ा दर Argentina में है 27% का।

→ There are 5 tax rates introduced in GST.

GST में पाँच दर लाये गये हैं।

0%, 5%, 12%, 18%, 28%

→ There is a exclusive tax rate of 0.25% determined for purchasing of precious stone like diamond, ruby etc.

एक अलग से दर है 0.25% का कीमती पत्थरों की खरीदारी के लिये जैसे की हीरा।

→ Another exclusive additional tax rate of 3% determined for purchasing of precious metal like Gold etc.

एक अलग से दर है 3% का कीमती धातु की खरीदारी के लिये जैसे की सोना।

→ 2 products are exempted from GST alcohol & petrol.

दो वस्तुओं पर GST लागू नहीं है, शराब और पट्रोल।

→ "HSN code" [Harmonised system of nomenclature] code is used to divide product under GST.

"HSN code" [Harmonised system of nomenclature] इस कोड के आधार पर वस्तुओं को GST में बांटा गया है।

GSTIN has unique 15 digit identification number.

GSTIN में अद्‌वितीय 15 अंकों की पहचान संख्या है।

→ GST is a destination based tax on goods & services.

जीएसटी वस्तुओं और सेवाओं पर एक गंतव्य आधारित कर है।

→ Central board of excise & custom declared 1st July to be observed as GST day.

केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने पहली जुलाई को जीएसटी दिवस के रूप में मनाया जाने की घोषणा की।

pdf WhatsApp G 9414918626

→ GST committee headquarter is in New Delhi.

जीएसटी समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

→ GST committee chairman Arun Jaitly (finance minister of India)

जीएसटी समिति के अध्यक्ष अरुण जेटली (भारत के वित्तमंत्री)

→ GST Panel meeting chairman Amit Mitra (Current West Bengal Finance Minister)

→ **जीएसटी पैनल की बैठक के अध्यक्ष अमित मित्रा (वर्तमान पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री)**

→ Assam is the first state of ratify (legal approval) GST Bill

असम जीएसटी बिल की पुष्टि (कानूनी अनुमोदन) का पहला राज्य है

→ GST removes cascading effect of economy.

जीएसटी अर्थव्यवस्था के कैस्केडिंग प्रभाव को हटाता है।

Cascading means tax on tax or overlapping of tax.

कैस्केडिंग का अर्थ है कर पर कर या ओवरलैपिंग कर।

→ Tagline of GST → one nation one tax.

जीएसटी की टैगलाइन → एक राष्ट्र एक कर।

→ It brings uniform tax structure in India.

यह भारत में एक समान कर संरचना लाता है।

pdf WhatsApp C 9414918626

Direct Tax / प्रत्यक्ष कर

1. Income Tax: / आय कर

Introduce in 1860 / 1860 **में पेश किया गया,**

Abolished in 1873 / 1873 **में समाप्त कर दिया गया**

Reintroduce in 1886 / 1886 **में फिर से शुरू।**

→ It is the tax on the income of unregister organization, income of individual /

यह अपंजीकृत संगठन की आय, व्यक्ति की आय पर कर है।

Tax slab →

0 – 2.5 lakh → 0%

2.5 – 5 lakh → 5%

5 lakh – 10 lakh → 20%

10 lakh – Above → 30%

E.g. 12 lakh income

$2.5\,\text{lakh} = 0\%$

$2.5\text{ lakh} = 5\% = 2.5 \times \frac{5}{10} = 12,500$

$5\,\text{lakh} = 20\% = 5 \times \frac{20}{100} = 100,000$

$2\,\text{lakh} = 30\% = 2 \times \frac{30}{100} = \underline{60,000}$

₹ 1,72,500

pdf WhatsApp G 9414918626

2. Corporate Tax / कॉर्पोरेट कर

→ It is the tax on the income of registered organisation.

यह पंजीकृत संगठन की आय पर कर है।

→ It is the main source of income for govt.

यह सरकार के लिए आय का मुख्य स्रोत है।

3. Gift Tax: It is paid by the person who received gift.

उपहार कर: यह उस व्यक्ति द्वारा भुगतान किया जाता है जिसे उपहार प्राप्त हुआ था।

There are certain exemptions in gift tax.

उपहार कर में कुछ छूट हैं।

→ If aggregate value is 50,000 or less / **उपहार कर में कुछ छूट हैं।**

→ Gift received on occasion of marriage /

शादी के अवसर पर उपहार मिला

→ Gift received from immediate relative /

पास के रिश्तेदार से मिला हुआ कर

4. Estate Duty / (जायदात कर) :

→ It is the tax on inheritance property/**यह उत्तराधिकार संपत्ति पर कर है**

5. Wealth Tax / (पूँजी कर) :

→ Introduce in 1957 and imposed on wealth of individual /

1957 **में पेश किया गया और व्यक्तिगत संपत्ति पर लगाया गया।**

→ It was abolished by Arun Jaitley in year 2015 /

इसे अरुण जेटली ने वर्ष 2015 **में समाप्त कर दिया था।**

pdf WhatsApp G 9414918626

Expenditure / व्यय	
Revenue Expenditure Or Non Planned / राजस्व खर्चे	**Capital Expenditure Or Planned Expenditure / पूंजीगत व्यय**
It Neither decreases financial liability nor increases assets / ये न तो कर्जे कम करें न परिसम्पत्तियाँ बढ़ाये	It is either decreases financial liability or increased assets / ये या तो कर्जे कम करें या परिसम्पत्तियाँ बढ़ाये
Non-productive / गैर उत्पादक	Productive / उत्पादक
Non-Development / गैर विकासी	Development विकासी
Recurring / दौहराये जाते हैं	Non-Recurring/दौहराये नहीं जाते हैं
Short term plan (1 yr or less) / छोटे समय के लिए होते हैं	Long term (more than 1 yr) / लम्बे समय के लिए होते हैं
Ex:- Old age Pension, Govt. employees salary, Indian defence, subsides / **वृद्धावस्था पेंशन, सरकारी कर्मचारियों का वेतन, भारतीय रक्षा, सदस्यता**	Ex:- Defence of USA, USSR, China, statue of unity, Infrastructure, railway etc/**यूएसए, यूएसएसआर, चीन की रक्षा, एकता की प्रतिमा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, रेलवे आदि।**

There are 3 situations of budget / बजट की 3 स्थितियां हैं:

1. **Surplus Budget:-** $\boxed{I > E}$ Useful for under developed economy

   अधिशेष बजट : आय > खर्चा under developed अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी

2. **Balanced Budget:-** $\boxed{I = E}$ Useful for developed economy.

   बराबरी बजट : आय = खर्चा developed अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी

3. **Deficit Budget:** $\boxed{E > I}$ Useful for developing but at a very big risk.

   घाटे का बजट: आय < खर्चा developing **अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी लेकिन एक जोखिम होता है**

Deficit Financing: Financing of deficit budget of sources of D.F.:-

घाटे का वित्तपोषण : सरकार के deficit budget की भरपाई घाटे का वित्तपोषण कहलाता है।

(a) Borrowing of loans / **सरकार का उधार लेना।**

(b) Disinvestment / **विनिवेश**

pdfWhatsAPP G 9414918626

(c) Imposition of new indirect tax / **नए अप्रत्यक्ष कर का लगना**

(d) Printing of new currency etc / **नई मुद्रा आदि की छपाई।**

Note: Deficit financing leads to rise in liquidity by printing of new currency.

निर्देश : Deficit financing / अर्थव्यवस्था में तरलता बढ़ा देती है।

Fiscal Deficit:- It is the difference b/w total revenues income and total expenditures.

राजकोषीय घाटा: यह अंतर है कुल राजस्व आय और कुल खर्चे

While calculating fiscal deficit borrowing are not included. F.B. = Total Exp.- Revenue Income

Primary Deficit: It is the difference b/w fiscal deficit of current year and interest payments on previous borrowings.

प्राथमिक घाटा: यह चालू वर्ष का राजकोषीय घाटा और पिछले उधारों पर ब्याज भुगतान का अंतर है

There 3 Structure of taxes / करों की 3 संरचना :

1. **Progressive Tax:** When the tax rate increases with the increased amount of volume/production / **प्रोग्रेसिव टैक्स: - जब वॉल्यूम / प्रोडक्शन की बढ़ी हुई रकम से टैक्स रेट बढ़ता है।**

   E.g:- Income Tax | Tax ↑ Income ↑ |

2. **Regressive Tax:** When the tax rate decrease with the increased amount of volume/production. | Tax ↓ Production ↑ |

   प्रतिगामी कर: जब मात्रा / उत्पादन की बढ़ी हुई राशि के साथ कर की दर कम हो जाती है।

3. **Proportional Tax:** When the tax burden is irrespective of volume of production /

   आनुपातिक कर: जब कर का बोझ उत्पादन की मात्रा के बावजूद होता है।

   Eg:- GST

pdfWhatsApp G 9414918626

CH.: 2. Inflation / मुद्रास्फीति

Inflation			
Situations of an Economy	Liquidity	Liquids	Purchasing Power
Inflation	↑	↓	↓
Deflation	↑	↑	↑
Recession	↓	↑	↑
Depression	↓↓↓↓	↓	↓
Hyperinflation	↑↑↑↑	0	0

Stagflation → Inflation + Recession + Unemployment

Deflation → करोड़पति हो और चीजे भी सस्ती हो।

Depression → बहुत गरीब और चीजे भी महंगी।

Hyperinflation → करोड़पति हो फिर भी रोड़पति।

Inflation: When prices of goods increase, due to which our purchasing power decreases /

मुद्रास्फीति : जब लगातार वस्तुओं की कीमतें बाजार में बढ़ती है जिसके कारण हमारे खरीदने की शक्ति कम हो जाती है।

Deflation: When prices of goods decreases, due to which our purchasing power increases or when inflation becomes negative

अपस्फीति : जब लगातार चीजों की कीमतें कम हो जाती है, जिसके कारण हमारे खरीदने की शक्ति बढ़ जाती है।

Recession: It refers to slow down in few sectors of economy. Here liquids & purchasing power both are present but there is a lack of liquidity. It hits luxuries & investments area.

pdf WhatsApp G 9414918626

मंदी : अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों में कम खरीदारी मंदी कहलाती है। यहाँ पर वस्तुएँ और खरीदने की शक्ति दोनों मौजूद है, लेकिन अर्थव्यवस्था में पैसों की कमी हो। ये ज्यादातर विलासिता और निवेश के क्षेत्र में पाया जाता है।

Depression: When recession hits each and every sector of economy, then there is a lack of liquidity, liquid & purchasing power.

महामंदी : जब मंदी हर एक क्षेत्र में आ जाये।

Hyperinflation: When there is a excess liquidity in economy due to which liquids & purchasing power becomes approx. nil.

भागती हुई मँहगाई : यहाँ तरलता बहुत ज्यादा होने के कारण वस्तुओं और खरीदने की शक्ति न के बराबर हो जाये।

Stagflation: It is a situation where inflation, recession & unemployment altogether exist in economy.

मुद्रास्फीति जनितमंदी : यहाँ पर मँहगाई मंदी और बेरोजगारी तीनों एक साथ बाजार में बढ़ती है।

Types of Inflation / मुद्रास्फीति के प्रकार :

1. Creeping Inflation / रेंगती हुई मुद्रास्फीति

When Inflation exist in very low rate (between 0 to 9%) / जब महँगाई बहुत धीरे–धीरे अर्थव्यवस्था में आ जाये। (0 से 9% के बीच में)।

2. Galloping Inflation / चलती हुई मुद्रास्फीति

When Inflation is large and accelerating / जब महँगाई तेजी से छाए।

E.g. Russia Economies in late 1980's

3. Hyper Inflation / भागती हुई मुद्रास्फीति

When Inflation is extremely high / जब महँगाई हद से ज्यादा हो।

E.g. Germany after world war

pdf WhatsApp G-9414918626

4. Demand Pull Inflation / मांग बढ़ोतरी मुद्रास्फीति :

When Inflation is due to rising demand/जब महँगाई बढ़ती हुई मांग के कारण आये।

5. Cost push Inflation / मूल्य बढ़ोतरी मुद्रास्फीति

When Inflation is due to rise in factor cost / जब महँगाई बढ़ती हुई कारक लागत के कारण आती है।

6. Bottleneck Inflation / टोंटी मुद्रास्फीति

When Inflation is due to fall in supply side / जब महँगाई गिरती हुई पूर्ति के कारण आती है।

E.g. Due to crop failure / फसलों के बरबाद होने से

7. Core Inflation / कोर मुद्रास्फीति

When Inflation is calculated by excluding food articles and energy. It is calculating inflation for long term / जब महँगाई को खाने–पीने की वस्तुएँ और ऊर्जा को हटाकर निकाली जाये। यहाँ पर महँगाई को लंबे समय के लिए निकाली जाता है।

8. Headline Inflation / शीर्षक मुद्रास्फीति

When Inflation is calculated by including food articles and energy. It is calculating inflation for short term / जब महँगाई को खाने–पीने की वस्तुएँ और ऊर्जा को मिलाकर निकाली जाये। यहाँ पर महँगाई को छोटे समय के लिए निकाली जाता है।

pdf WhatsApp C 9414918626

Calculation of Inflation / महँगाई को निकालने के तरीके

Two Methods for calculation / दो तरीके होते है

1. **WPI (Wholesale price Index):** When wholesale rate is used to calculate inflation
   थोक मूल्य सूचकांक : जब थोक मूल्य को लेकर महँगाई निकाली जाये।
   Formula

$$\frac{AP_1 - AP_0}{AP_0} \times 100$$

AP_1 = Aggregate price of current year / इस वर्ष की कुल कीमतें
AP_0 = Aggregate price of base year / आधार वर्ष की कुल कीमतें
Total commodities → 676 / कुल वस्तुएँ → 676
Base year → 2011 – 2012 / आधार वर्ष → 2011 – 2012

2. **CPI (Consumer Price Index):**- When retail price is used to calculate inflation.
उपभोक्ता मूल्य सूचकांक : जब उपभोक्ता मूल्य को लेकर महँगाई निकाली जाये।

Formula→ $\boxed{\frac{AP_1 - AP_0}{AP_0} \times 100}$

Total Commodities / कुल वस्तुएँ → $\frac{\text{Rural / गाँव} \rightarrow 448}{\text{Urban / शहर} \rightarrow 460}$

Base year / आधार वर्ष → 2018

- In India we use (CPI method) to calculate inflation /
भारत में CPI के तरीके से महँगाई निकाली जाती है।
- Data collection for inflation → NSSO (National Sample Survey Org.)
- Calculation of inflation → CSO (Central statistical org.)
- Announcement of inflation → RBI (Reserve Bank of India)

pdf WhatsApp G 9414918626

Note :

1. **Primary Sector/प्राथमिक क्षेत्र:-** Eg:-Fishing agriculture mining dairy etc.
2. **Secondary sector/ Manufacturing stage /** द्वितीय क्षेत्र या उत्पादन क्षेत्र
3. **Tertiary/service sector /** सेवा क्षेत्र : Eg-Marketing, Teacher, Selling etc.
4. **Philips Curve:** It shows inverse relationship b/w inflation & unemployment / ये महँगाई और बेरोजगारी के बीच ऊलटा संबंध बताता है।

Effects of Inflation / महँगाई का असर

1. On debtors and creditors / ऋणी और ऋणदाता

   Debtors gain profits in front of creditors/ऋणी को फायदा होता है ऋणदाता से।

2. On exporters and importers / निर्यातकों और आयातकों पर

   Exporters is in profit as exports become cheaper / निर्यातक फायदे में होते है।

Controlling Inflation of Economy:-

(a) RBI stricts monetary policies / RBI मौद्रिक नितियों में बदलाव करता है।

(b) Govt. stricts fiscal policies / सरकार राजकोषी नितियों में बदलाव करता है।

(c) There is a temporary ban on exports (I > E) / निर्यात को बंद किया जाता है।

(d) There is temporary reduction in import duties (I > E) / आयात में लगे करो को कम किया जाता है।

(e) ESMA (essential service maintenance Act)

pdf WhatsApp G 9414918626

CH.: 3. LPG Policy & Types of Economies) / एल.पी.जी. नीति

There are 3 types of Economy

Socialist / समाजवादी	**Capitalist / पूँजीवादी**	**Mixed / मिश्रित**
Domination of govt. / सरकार का दबाव होता है	Domination of private / निजि क्षेत्र	No domination / किसी का नहीं होता
Main objective is public welfare / इसका मुख्य उद्देश्य जनता का कल्याण करना होता है	Main objective is profit making / अपने हित के लिए काम करना	Both / दोनों
Main feature is price restriction / इसकी मुख्य विशेषता कीमतों में पाबंदिया होता है।	Main feature is price mechanism / इसकी मुख्य विशेषता कीमत प्रक्रिया होता है।	Both / दोनों
Also known as centrally planned economy / केन्द्रीय द्वारा संलाचित अर्थव्यवस्था।	Also known as laissez faire / अहस्ताक्षेप	Also known as Nehruvian economy or Dual economy
Eg- Russia, North Korea, China	Eg-South Korea, USA.	Eg- India

pdf WhatsApp C 9414918626

- **Price Mechanism :** It is a feature in which prices of goods are determine by demand & supply.

  कीमत प्रक्रिया : यहाँ चीजों की कीमतें मांग और पूर्ति पर निर्भर करती है।

- Laissiz Faire → It is French word / अहस्ताक्षेप

- **Indian Economy** : From 1947 to 1969, Indian economy is considered as (Nehruvian economy)

  भारतीय अर्थव्यवस्था : 1947 से 1969 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को नेहरूवियन कहा जाता था।

- With the nationalization of 14 banks by Indira Gandhi in 1969, Indian economy was considered as (Socialist Economy) till 1991.

  जब 14 बैंकों का राष्ट्रीकरण हुआ 1969 में भारतीय अर्थव्यवस्था समाजवादी के रूप में आई।

- With the introduction of LPG policy in 1991 Indian economy onward continue as mixed economy.

  जब LPG नीति 1991 में आई अर्थव्यवस्था मिश्रित हो गई।

LPG Policy: Libralisation, Privatisation and Globalisation /

उदारीकरण, निजिकरण, वैश्वीकरण

- It was introduced in year 1991 in industrial sector.

  इसे 1991 में औद्योगिक क्षेत्रों में लाया गया।

- It was recommended by Dr. Man Mohan Singh & P.V. Narsimha Rao

  इसे डॉ. मनमोहन सिंह और पी.वी. नरसिम्हाराव के सुझाव द्वारा लाया गया है।

Libralisation: If refers to removal of restriction which were imposed on industries before 1991.

उदारीकरण : इसमें 1991 से पहले औद्योगिक क्षेत्रों में जितनी भी पाबंदिया थी, उन्हें हटाया गया।

1. It End of license except in few areas such as Alcohol industry, medicine industry etc. / लाइसेंस को हटाया गया कुछ क्षेत्रों में छोड़कर जैसे की शराब उद्योग, दवाई उद्योग आदि।
2. Freedom in fixing prices / दाम को निर्धारित करने में छूट दी गयी।
3. Freedom in expansion and contraction of business / उद्योग को बढ़ाने या कम करने में भी छूट दी गयी।

Privatisation: It refers to giving entry to private sector where there were monopoly of govt.

निजीकरण : इसमें निजी क्षेत्रों को जगह दी गयी, जहाँ पर सरकार का एकाधिकार था।

1. Disinvestment in public sector / सरकारी क्षेत्रों में विनिवेश किया गया।

pdf WhatsApp G 9414918626

2. Promotion of BIFR committee. / BIFR कॉमेटी को बढ़वा दिया गया
↓
Board industrial and financial Reconstruction

3. Establishment 1987 (BIFR)

Registered under SICS in 1985
↓
Sick industrial companies Act

Globalisation:- It refers to integration of various economics of world.

वैश्वीकरण : सारी अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ना वैश्वीकरण कहलाता है।

1. Reduction in export and import duties / आयात और निर्यात करो में कमी।
2. Promotion of foreign investment / विदेशी निवेश को बढ़ावा दिया गया।

pdf WhatsApp G 9414918626

CH.: 4. Banking System / बैंकिंग प्रणाली

RBI (Reserve Bank of India)

1. Establishment → 1st April 1985, Kolkata Acc. to RBI Act 1934.

2. The very 1st Governor of RBI → Osborne Smith

3. 1st India Governor of RBI → C.D. (Chintaman ↓ Dwarkanath) Deshmukh → 1943

Tenure → 6 years, 3rd no. governor in sequence

→ Present Governor of RBI → Shaktikant Das (25^{th} no. governor)

→ 24th governor → Urijit R. Patel

Tenure → 2 year approx..

→ 23rd governor → Raghuram Rajan

Tenure → 3 year

→ Now RBI Headquarter → Mumbai

→ Nationalisation of RBI → 1st Jan. 1949.

Nationalisation By Indira Ghandhi / इंदिरा गांधी द्वारा राष्ट्रीकरण

In 1969 → 14 Banks are Nationalised
Deposit → 50 crore
1980 → 6 Banks are Nationalised
Deposit → 200 crore
→ By Indira Gandhi

1969 में इंदिरा गांधी ने 14 बैंकों का राष्ट्रीकरण किया था (जिसमें वो बैंक शामिल थे, जिनके पास 50 करोड़ से ज्यादा की कुल पूँजी थी।

pdf WhatsApp @ 9414918626

1980 में इंदिरा गांधी ने 6 बैंकों का राष्ट्रीकरण किया था (जिसमें वो बैंक शामिल थे, जिनके पास 200 करोड़ से ज्यादा की कुल पूँजी थी।

First merger in year 1993 (New Bank of India into Punjab National Bank) / 1993 में न्यू बैंक ऑफ इंडिया को पंजाब नेशनल बैंक के अंदर मिलाया गया।

Second merger in year 2018 (Dena Bank & Vijaya Bank into Bank of Baroda) / 2018 में देना बैंक और विजया बैंक को बैंक ऑफ बडौदा के अंदर मिलाया गया।

Objectives of Nationalisation / राष्ट्रीकरण के उद्देश्य :

1. ↑ (increase) financial inclusion / वित्तीय समावेश को बढ़ाना

2. Public welfare / जनता का कल्याण

3. Removal of private sector dominancy / निजी क्षेत्रों के बढ़ते हुए दबाव को हटाना

Financial Inclusion → Connecting Max. population with the banking system / ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैंकों से जोड़ना वित्तीय समावेश कहलाता है।

Monetary Policies of RBI:- All those policies which are used to regulate liquidity in economy.

RBI की मौद्रिक नीतियाँ : वो सारी नीतियाँ जो तरलता का संचालन करें।

→ Monetary policies are regulated by RBI in bimonthly basis (6 times in a year) / इसे RBI हर दो महीने में बनाता है। (साल में 6 बार)

→ Financial year of RBI → 1 July – 30 June / RBI का वित्तीय वर्ष 1 July – 30 June

→ RBI also known as (↓ Banker's Bank or Govt. Bank) lender of last resort.

Repo Rate:- The rate at which RBI land short term loan to other commercial bank.

Repo Rate ↑ and liquidity ↓

pdf WhatsApp @ 9414918626

रेपो दर : वो दर जिसमें RBI दूसरे व्यवसायी बैंकों को छोटे समय के लिये लोन देता है।

Reverse Repo Rate:- The Rate at which RBI borrow loan from other commercial Bank.

उल्टा रेपो दर : वो दर जिसमें RBI दूसरे व्यावसायी बैंकों से लोन लेता है।

R.R.R ↑ liquidity ↓

→ Repo Rate is greater than reverse Repo Rate / रेपो दर > उलटा रेपो दर

Bank Rate: The rate which RBI land long term loan to other commercial Bank.

बैंक दर : वो दर जिसमें RBI दूसरे व्यवसायी बैंकों को लम्बे समय के लिये लोन देता है।

MSF (Marginal Standing Facility):- In this system a bank can borrow overnight loans for RBI at 1% higher than the current Repo Rate.

सीमांत स्थायी सुविधा : इस नीति में एक बैंक RBI से रातों–रात लोन ले सकता है, 1% ज्यादा दर में रेपों दर से।

CRR (Cash Reserve Ratio) / नकद आरक्षित अनुपात

- Every bank has to reserve a fixed percentage of its total deposit to RBI in form & cash / हर बैंकों को अपने कुल डीपोजिट का कुछ हिस्सा RBI को नकद के रूप में जमा करना पड़ता है।
- It is compulsory / यह जरूरी है
- Cash / नकद
- No interest / ब्याज नहीं मिलता
- Security
- Weekly

pdf WhatsApp G 9414918626

Statuary Liquid Ratio (SLR) / सांविधिक तरलता अनुपात

- Every bank has to Reserve a fix percentage to its total deposits with itself / हर बैंकों को अपने कुल डीपोजिट का कुछ हिस्सा अपने पास किसी भी रूप में जमा करना पड़ता है।
- By cash or gold / नकद या सोना कुछ भी हो सकता है।

Open Market Operation / खुला बाजार संचालन

It is a system of Buying or selling of government securities from market / यहाँ पर सरकारी प्रतिभूतियाँ को बाजार में खरीदता और बेचा जाता

MUDRA BANK

MUDRA → Micro unit development and refinance agency

- Established under → PMMY (Pradhan Mantri Mudra Yojana)
- Established on → 8 April 2015
- Main objective is to provide loan to small scale industry / इसका मुख्य उद्देश्य लघु उद्योग को लोन देना होता है।
- It has 3 divisions / इसके तीन प्रकार है :

1. Shishu → Loan upto 50,000

   शिशु : 50 हजार तक का लोन

2. Kishor → Loan Ranging from 50,000 to 5 Lakh

   किशोर : 50 हजार से ज्यादा 5 Lakh तक

3. Tarun → Loan Ranging from 5 Lakh to 10 Lakh

   तरूण : 5 Lakh से ज्यादा 10 Lakh तक

pdf WhatsApp G 9414918626

NABARD → NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT

Est. → 12 July 1982

Under recommendation of shivraman Committee / इसे shivraman Committee के सुझाव से बनाया गया।

Form during → 6th five year plan / छठीं पंचवर्षीय योजना के बीच बनाया गया।

H. X. → Mumbai

Regional Rural Bank / क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक

→ 1st Regional rural Bank was formed on 2nd Oct 1975 with the name Prathma Gramen Bank. (Sponsored by syndicate Bank) /

पहला क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक 2 अक्टूबर 1975 में बनाया गया, जिसका नाम प्रार्थमा ग्रामीण बैंक था (जिसका प्रायोजक बैंक सिंडिकेट बैंक है।)

→ It was form under recommendation of Narsimhan Committee / इसे नरसिम्हा कॉमेटी के सुझाव से बनाया गया।

→ From 1975 till 1983, it was regulated by RBI / 1975 से 1983 तक इसका संचालक RBI था।

→ From 1983 onward, it has loan regulated by NABARD / 1983 के बाद से इसका संचालक नाबार्ड है।

→ In a RRB, 3 sectors contribute / इसमें तीन क्षेत्र योगदान देते है।

Central govt. with a share of 50% / केन्द्रीया सरकार जिनका हिस्सा 50% है।

State govt. with a share of 15% / राज्य सरकार जिनका हिस्सा 15% है।

Sponsor Bank with a share of 35% / प्रायोजक बैंक जिनका हिस्सा 35% है।

pdf WhatsApp G 9414918626

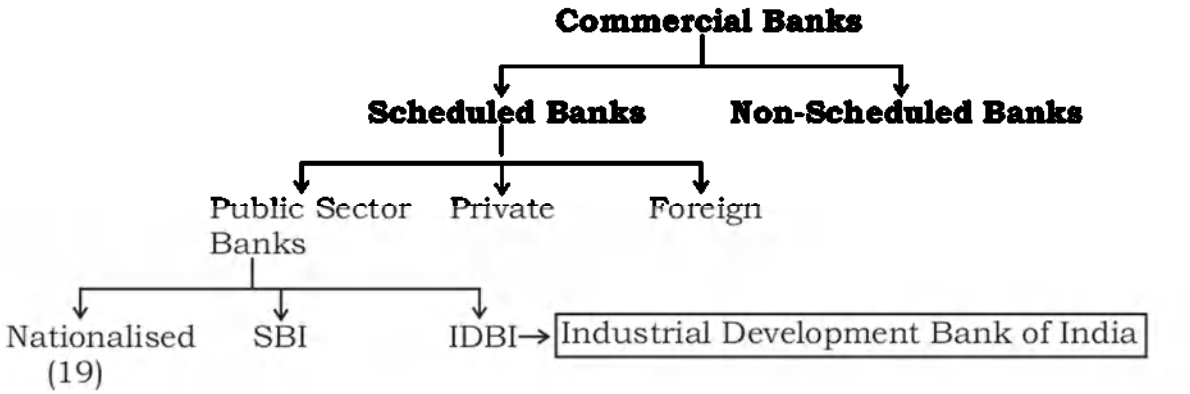

SBI merged with its associates & BMB → Bhartiya Mahila Banks in 1 April 2017.

SBI associated of Banks are :

1. State Bank of Patiala
2. State Bank of Bikaner & Jaipur
3. State Bank of Hyderabad
4. State Bank of Mysore
5. State Bank of Travancore

Scheduled Bank:- All these Bank which are registered under 2nd schedule of RBI Act 1934.

अनुसूचित बैंक : वो सारे बैंक जो RBI Act, 1934 के दूसरी सूची में रजिस्ट्रर है।

Public Banks:- All those Bank in which govt. share is more than or equal to 51%.

सरकारी बैंक : वो सारे बैंक जिसमें सरकार का हिस्सा 51% या उससे ज्यादा होता है।

Private Banks:- All those Bank in which govt. share is less than 51%.

निजी बैंक : वो सारे बैंक जिसमें सरकार का हिस्सा 51% से कम होता है।

pdf WhatsApp G 9414918626

The Bank have a 50% share of govt. or 50% share private then it comes under private bank.

Foreign Banks:- All those Bank which have their headquarter outside india but have their branches inside India.

विदेशी बैंक : वो सारे बैंक जिसका मुख्यालय भारत से बाहर है, लेकिन उनकी शाखायें भारत के अंदर है।

HSBC → Hong Kong & Shanghai Banking corporation → HQ London

Non-Scheduled Bank:- All those banks which are not registered under 2nd scheduled of RBI Act 1934.

गैर–अनुसूचित बैंक : वो सारे बैंक जो RBI Act, 1934 के दूसरी सूची में रजिस्ट्रर नहीं होते है।

Non-Performing assets (NPA):- They are considered as Bad loans of Bank. A loan is considered as non-performing if it is not served for a period of 1 term (i.e. 90 days). It has 3 classifications:-

गैर प्रदर्शन सम्पत्तिः एक लोन का भुगतान अगर 90 दिन तक ना किया जा सके, तो वो गैर प्रदर्शन सम्पत्ति कहलाता है।

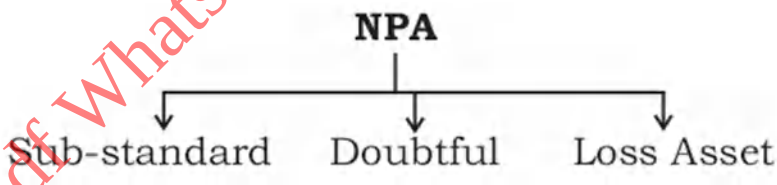

pdf WhatsApp G 9414918626

Sub-standard → It remains non-performing for a period up to $\boxed{18\,\text{Month}}\,1\frac{1}{2}\,\text{year}$ / अगर उसका भुगतान 18 महीनों तक नहीं किया जाये।

Doubtful → If it remains non-performing for a period of more than 18 month / अगर उसका भुगतान 18 महीनों के बाद भी न किया जाये।

Loss Asset → If the loss is identify but not return off / अगर उसका भुगतान ही न किया जाये।

CH.: 5. International Organisation / अंतर्राष्ट्रीय संगठन

World Bank :

From under Recommendation of Bretton woods meeting 1945 / इसे ब्रेटेन वुडस मिटिंग 1945 के सुझाव से बनाया गया।

Est. → 27 Dec. 1945 / स्थापना

Also known As IBRD → International bank for reconstruction and development.

H.Q → Washington D.C.,

Started with 44 members countries / इससे शुरूआत में 44 देश जुड़े थे।

Now has 189 member countries / अभी इससे 189 देश जुड़े हैं।

Last country to join as 189th Member Nauru Island
↓
In Pacific Ocean

सबसे आखिरी देश जो इससे जोड़ा गया Nauru Island

Main objective of world Bank is Social Development / मुख्य उद्देश्य सामाजिक विकास

Present head of world bank-Kristalina Georgieva

It also known as long term credit institution / लम्बे समय के लिए लोन देता है

World Bank group has 4 division / इसके चार भाग है :

1. IFC → International Finance Corporation

   Est. → 1956

   H.Q. → Washington D.C.

pdf WhatsApp G 9414918626

2. IDA → International Development Association

Est. → 1960

H.Q.→ Washington D.C.

Also known as soft window of world bank.
↓
Because if give loan free int erest for receving poverty of under – developed country

3. ICSID → International centre for settlement of investment dispute.

Est.→ 1966
H.Q. → Washington D.C.

4. MIGA → Multilateral investment guarantee Agency.

Est. → 1988

H.Q. → Washington D.C.

IMF
⇓
International Monetary Fund

From under Recommendation of Bretton woods meeting 1945 / इसे ब्रेटेन वुडस मिटिंग 1945 के सुझाव से बनाया गया।

Est. → 27 Dec. 1945 / स्थापना

Also known As Twin organization of World Bank / इसे वर्ल्ड बैंक का जुड़वा संगठन कहा जाता है।

H.Q → Washington D.C.,

Started with 31 members countries / इससे शुरूआत में 31 देश जुड़े थे।

Now has 189 member countries / अभी इससे 189 देश जुड़े हैं।

Last country to join as 189th Member Nauru Island
↓
In Pacific Ocean

pdf WhatsApp C 9414918626

सबसे आखिरी देश जो इससे जोड़ा गया Nauru Island

Main objective of IMF is Economical Development/ मुख्य उद्देश्य आर्थिक विकास

Present Head-CHRISTINE LEGARDE

World Trade Organisation [WTO]

Establishment → 1st Jan 1995

It replaces GATT → general agreement on Tariff & Trade / इसने GATT → general agreement on Tariff & Trade की जगह ली।

Box Formate
GATT → General agreement on Tariff and Trade
Est. → 1 Jan 1948
GATT was signed by 23 nations in Geneva on 30th Oct. 1947.
123 nations of GATT signed a agreement on 14 April 1994 in morocco to convert GATT into WTO.

pdf WhatsApp G 9414918626

H.Q. → Geneva District of Switzerland

Present member countries → 164

Last Country to Join / सबसे आखिरी देश जो जोड़ा गया → Afghanistan (July 2016)

Main Objective is trade development / मुख्य उद्देश्य व्यापारिक विकास

Present Head → Roberto Azevedo (Brazilian)

CH.: 5. Demand & Supply / मांग और पूर्ति

Law of Demand / मांग का कानून

1. It is given by Alfred Marshall / इसे Alfred Marshall ने दिया है $P \xrightarrow{to} D$
2. It shows relationship b/w price and its Demand. It says that if price of a prudent increased then its demand decreased and vice-versa / ये कीमत और मांग के बीच उल्टा संबंध बताता है $P \times \frac{1}{D}$
3. With all other factors Remain constant and it is known as ceterius peribus & it is a Latin word / बाकी सारी चीजों को स्थिर मानना पड़ता है, जिसे हम ceterius peribus कहेगे, जोकि लेटिन भाषा से लिया गया है।

Law of Demand Curve- Is always downward sloping from left to right. It may be curry or a straight line.

मांग का कर्व हमेशा नीचे की तरफ झुका होता है।

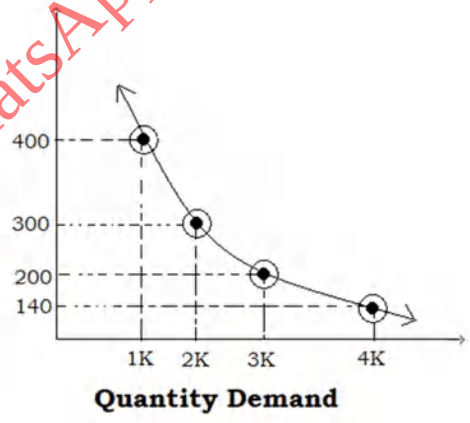

pdf WhatsApp @ 9414918626

Law of Supply: It is from a supplier point of view. It states that as a price of a product increased, quantity supplied for that product also increased (because the supplier wants to earn max. profit) & vice versa.

पूर्ति का कानून : ये बेचने वाले के नजरिये से होता है। ये कहता है कि अगर किसी वस्तु की कीमत बढ़ेगी तो, उसकी पूर्ति भी बढ़ जायेगी, और इसी का उल्टा।

P ↑ S ↑

Graph of law of supply is always upward slopping from left to Right / पूर्ति के कानून का कर्व हमेशा ऊपर की तरफ होता है।

Price	Quantity Supplied
100	1000
200	2000
300	3000
400	4000

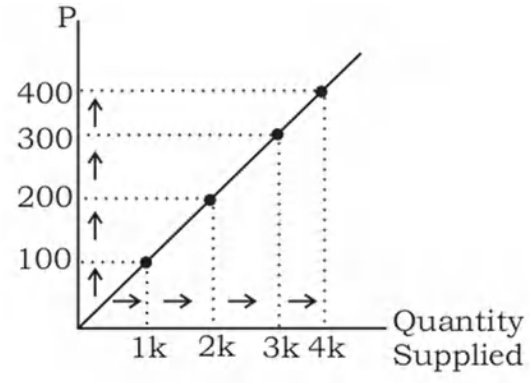

pdf WhatsApp G 9414918626

Consumer Equilibrium / उपभोक्ता संतुलन

It is the position were buyer is satisfied with seller. It arises when demand is equal to supply / ये तब आता है जब मांग और पूर्ति बराबर हो।

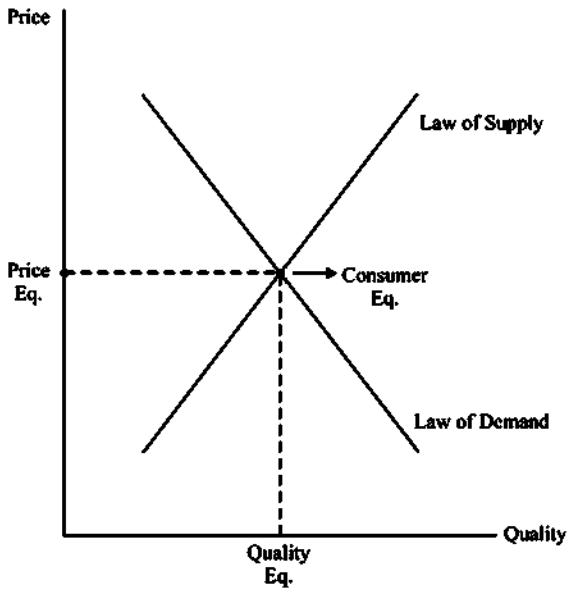

Q. If a demand Curve for a camping tent is D = 1 lac or D = 100000 – 17p & supply curve is S = 50,000 + 8p find price equibrium / अगर एक वस्तु की मांग का कर्व D = 100000 – 17p और पूर्ति का कर्व S = 50,000 + 8p. कीमत संतुलन निकालना है।

Sol:

When Price equilibrium, $\Rightarrow D = S$

$100,000 - 17P = 50,000 + 8p$

$100,000 - 50,000 = 8p + 17p$

$50,000 = 25p$

$\boxed{P = 2000}$

Elasticity of Demand / मांग का लोच

$$E_d = \frac{\%\Delta \text{ in } D}{\%\Delta \text{ in } P}$$

Example:-

$P_1 = 100$ Rs $D_1 = 1000$ kg

$P_2 = 150$ Rs $D_2 = 750$ kg $E_d = ?$

$\Delta P = P_2 - P_1$ $\Delta D = D_2 - D_1$

$= 50$ Rs $= -250$ kg

$\% \Delta P = \frac{P_2 - P_1}{P_1} \times 100$ $\Delta D = \frac{D_2 - D_1}{D_1} \times 100$

$= \frac{50}{100} \times 100$ $\frac{750 - 1000}{1000} \times 100$

$= 50\%$ $= \frac{250}{1000} \times 100$

pdf WhatsApp G 9414918626

Elasticity of demand $= \frac{\%\,\Delta \text{ in D}}{\%\,\Delta \text{ in D}} = -25\%$

$= \frac{-25\%}{50\%} = \frac{1}{2} = 0.5\%$

Ignore (–)ive sign

Elasticity of Demand : Responsibleness change in demand with respect to price / मांग में कितना बदलाव आने के कारण पूर्ति में कितना बदलाव आया उसे हम मांग की लोच कहेगें।

Perfectly Elastic: When very minor change in price leads to infinite change in demand.

पूरी तरह से लोचदार मांग : जब कीमत में बहुत थोड़ा सा बदलाव आने के कारण मांग में असीमित बदलाव आता है।

$\boxed{E_d = \infty}$

It is an imaginary condition. Hence there is no example / ये कल्पनिक स्थिति होती है।

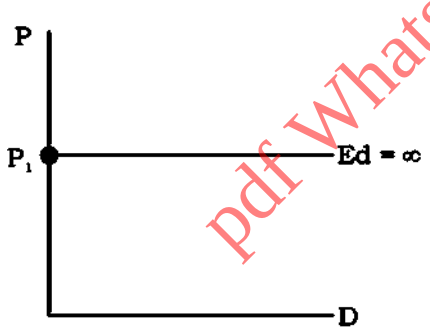

pdf WhatsApp G 9414918626

Perfectly Inelastic Demand:- When change in price leads to no change in demand.

पूरी तरह से स्थिर मांग : जब कीमतों में बदलाव आने के कारण मांग में कोई बदलाव नहीं आता।

$\boxed{E_d = \infty}$

It is an imaginary condition / ये कल्पनिक स्थिति है

∴ No example

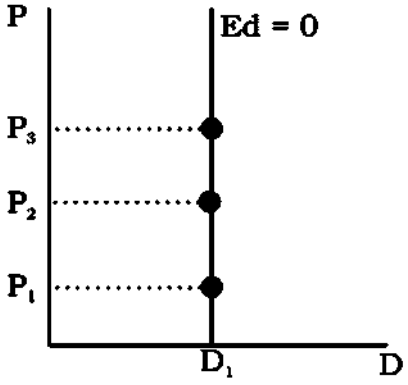

Relatively Elastic demand: When percentage change in demand is greater than the percentage change in price.

अपेक्षाकृत लोचदार मांग : जब मांग का बदलाव कीमतों के बदलावों से ज्यादा होगा।

$$E_d > 1$$

Examples:- Luxury items like car, any item of particular brand like Amul milk etc., fruits.

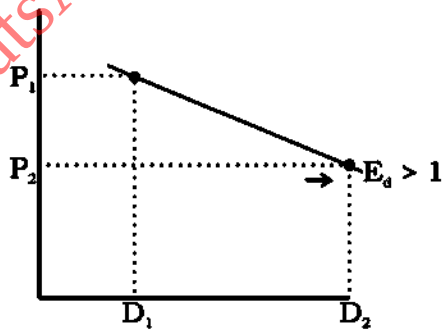

$\% \Delta D > \% \Delta P$

Relatively Inelastic Demand: When % change in price is greater than % change in demand.

अपेक्षाकृत स्थिर मांग : जब कीमतों में बदलाव मांग के बदलाव से ज्यादा होगा।

$$E_d < 1$$

pdf WhatsApp G 9414918626

Example:- Basic needs like medicine, salt, milk,

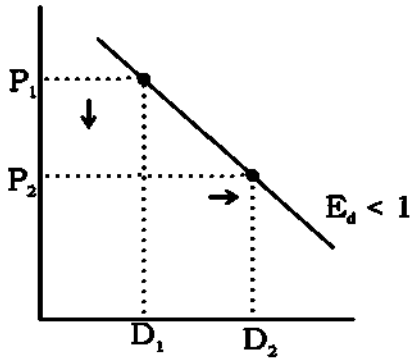

$\% \Delta P > \% \Delta D$

Unitary Elastic: When % change in price is equals to % change in demand.

एकातमक लोचदार मांग : जब कीमतों में बदलाव और मांग में बदलाव बराबर होगा।

$\boxed{E_d = 1}$ $\% \Delta P > \% \Delta D$

It is again an imaginary condition / ये कल्पनिक स्थित है।

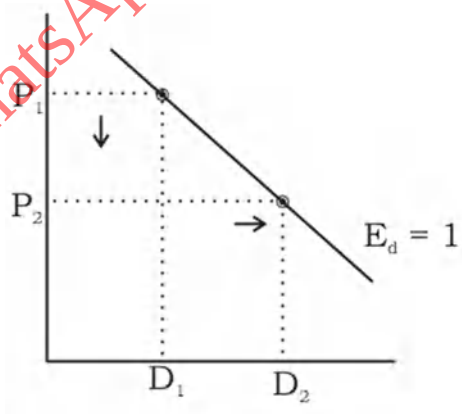

pdf WhatsApp G 9414918626

Numerical :

Q.1 If a price a product is changed by 30% and its elasticity of demand is 0.3. Then find by how much % the demand of that product changed / अगर एक वस्तु की कीमत 30% से बदली होगी और मांग की लोच 0.3 है, तो कितने से उस वस्तु की मांग बदली होगी।

$f^n\ E_d = \frac{\%\Delta D}{\%\Delta P} \Rightarrow \frac{0.3}{10} \Rightarrow \frac{3\Delta D}{30}$ $9\%\Delta D$

Change in Demand = 9%

Q2. P_1 = 1500 Rs., P_2 = 8000 Rs. D = 1000 kg, D_2 = 750 kg find elasticity of demand.

$$Ed = \frac{\%\Delta D}{\%\Delta P}$$

$$E_d = \frac{25}{100} = 0.25\%$$

$$\%\Delta D = \frac{D_2 - D_1}{D_1} \times 10$$

$$= \frac{350}{1000} \times 100 = 25\%$$

Ignore –ve sign

$$\%\Delta P = \frac{P_2 - P_1}{P_1} \times 100$$

$$\frac{1500}{1500} \times 100 = 100$$

Q3. If a price of a product is changed by –93.79% and its elasticity is 0.6 then find in which of the following situation it will be lie / एक वस्तु की कीमत –93.79% से बदली है और मांग की लोच 0.6 है। तो कौन सी स्थिति में यह रखा जायेगा।

Ans. Relatively Inelastic demand $\boxed{E_d < 1}$

pdf WhatsApp G 9414918626

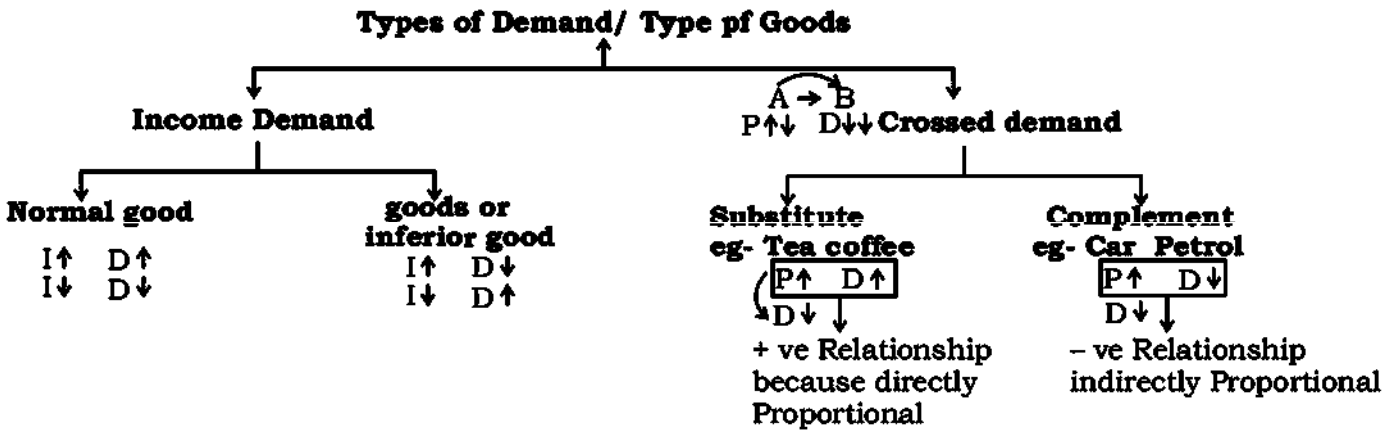

Giffen Goods / गिफेन वस्तुएँ

- From income demand point of view, it is also known as inferior good / आय से मांग के नजरीये से यह घटिया वस्तु कहलाते है।
- It is also considered as exception to law of demand. It state that it price of a product ↑ then demand also increases & vice versa / मांग के कानून के नजरीये से ये मांग के कानून का उल्टा है। ये कहता है कि अगर किसी वस्तु की कीमत बढ़ेगी तो उसकी मांग भी बढ़ जायेगी, और इसी का उल्टा।

Graph of Giffen good is always upward slopping eg- Bajra, Bread when USA is in depression / गिफेन वस्तुओं का कर्व ऊपर की तरफ होता है।

pdf WhatsApp G 9414918626

Giffen Goods Curve

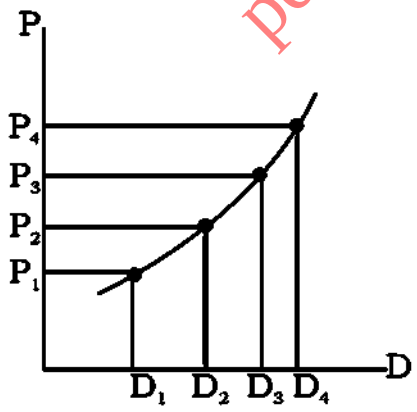

pdf WhatsApp G 9414918626

CH.: 5. Five Year Plans / पंचवर्षीय योजना

1st 5 year plan / पहली पंचवर्षीय योजना

Name / नाम : Harrod Domer Model

Target : Development of agricultural sector

उद्देश्य : कृषि क्षेत्रों में विकास

It was very successful / ये बहुत ज्यादा सफल हुआ था।

2nd 5 year plan → 1956 to 1961 → target sector

↓

development of industrial

दूसरी पंचवर्षीय योजना : 1956 to 1961

उद्देश्य : औद्योगिक क्षेत्रों में विकास

Name of 2nd 5 year plan → P.C. Mahalanobnis Model

3 steel plants were setup in

Bhilai (Chattisgarh)

Durgapur (W. Bengal)

Raurkela (Odisha)

यहाँ 3 स्टील उद्योग लगे थे।

भीलाई (छत्तीसगढ़)

दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)

राऊर किला (ओड़िशा)

pdf WhatsApp G 9414918626

Third Five Year Plan / तीसरी पंचवर्षीय योजना (1961 to 1966)

Target : Development of agricultural sector

उद्देश्य : कृषि क्षेत्रों में विकास

Name of 3rd 5 year plan → Gadgil yojana.

तीसरी पंचवर्षीय योजना का नाम : गडगिल योजना

1962 → India – China war.

1965 → India – Pakistan war.

1965 → Bokora steel plants were setup in Jharkhand it was unsuccessful plan / बोकारो स्टील उद्योग को झारखण्ड में लगाया गया।

1966-1969 1st Planning Holiday

1966-1969 पहली योजनाओं की छुट्टियाँ

Meanwhile Green Revolution was launched in India / इसी के बीच में हरित क्रान्ति आयी गई।

Father of Green Revolution in India → M.S. Swaminathan in world → Dr. Norman Borlaug.

Fourth 5 Year Plan / चौथी पंचवर्षीय योजना (1969 to 1974)

Target "Self Dependency" /

उद्देश्य : आत्मनिर्भरता

Nationalisation of 14 bank done by Indira Gandhi in 1969 Min. Deposit → 50 crore / यहाँ पर इंदिरा गाँधी ने 14 बैंकों का राष्ट्रीकरण किया था।

Beginning of a socialist economy / यहाँ पर समाजवादी अर्थव्यवस्था की शुरूआत हो चुकी थी।

pdf WhatsApp G 9414918626

5th Five Year Plan / पाँचवी पंचवर्षीय योजना (1974 to 1978)

Target : Powerty elimination

उद्देश्य : गरीबी हटाओ

25 June 1975 → Emergency in India by Indira Gandhi for a period of 21month

President at that time → Fakaruddin Ali Ahmed /

25 June 1975 में आपातकालीन स्थिति की घोषणा करी गई, 21 महीनों के लिए (पी.एम. इंदिरा गांधी, राष्ट्रपति फकरउदीन अली अहमद)

Jan 1977 →Emergency was abolished resignation of Indira Gandhi.

Jan 1977 आपातकालीन को खत्म किया गया और इंदिरा गांधी ने इस्तिफा दे दिया।

1st Non-congress government was formed. (Janta dal party → P.M. → Morargi Desai)

पहली Non-congress सरकारी बनी थी। जिसका नाम जनता दल पार्टी था, प्रधानमंत्री मौराजी देसाई बने थे।

1978 → 1979 → Rollling Plan / योजना को खत्म किया गया था।

1979 → Chaudhary Charan Singh become P.M.

1979 → 1980 → 2nd Planning Holiday / दूसरी योजनाओं की छूट्टी

6th Five Year Plan / छठीं पंचवर्षीय योजना (1980 to 1985)

Target : Powerty elimination

उद्देश्य : गरीबी हटाओं

2nd time Nationalisation of 6 banks by Indira Gandhi in 1980 with the min. deposition of 200 crore

यहाँ पर इंदिरा गांधी ने 1980 में 6 बैंकों का दुबारा से राष्ट्रीकरण किया था।

pdf WhatsApp G 9414918626

NABARD est. ↓ 12 July 1982 under recommendation of Shive Raman Committee.

12 July 1982 को नाबार्ड बनाया गया।

1984 → Assassination of Indira Gandhi / इंदिरा गांधी को मार दिया गया।

7th Five Year Plan / सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985 to 1990)

Target : Technology Development

उद्देश्य : तकनीकी सुधार

1990 – 1992 → 3rd And last planning holiday

1990 से 1992 तक तीसरी और आखिरी योजनाओं की छुट्टियाँ हुई

Meanwhile in year 1991, LPG policy was introduced under recommendation of Dr. Manmohan Singh and P.V. Narsimhan Rao.

इसी के बीच में एल.पी.जी. नीति को आया गया। डॉ. मनमोहन सिंह और पी.वी. नरसिम्हा रॉव के सुझाव से आया गया।

8th Five Year Plan / 8वीं पंचवर्षीय योजना (1992 to 1997)

Target : LPG Policy

उद्देश्य : एल.पी.जी. नीति

1993 → New Bank of India merge into PNB Bank

1993 में न्यू बैंक ऑफ इंडिया को PNB से मिला दिया गया।

9th Five Year Plan / 9वीं पंचवर्षीय योजना (1997 to 2002)

Target : Growth of Indian Economy

उद्देश्य : भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार

pdf WhatsApp 9414918626

10th Five Year Plan / 10वीं पंचवर्षीय योजना (2002 to 2007)

Target : Growth of Indian Economy

उद्देश्य : भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार

11th Five Year Plan / 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007 to 2012)

Target : Inclusive & sustainable development

उद्देश्य : समावेशी और धारणीय विकास

12th Five Year Plan / 12वीं पंचवर्षीय योजना (2012 to 2017)

Target : Inclusive & sustainable development

उद्देश्य : समावेशी और धारणीय विकास

1st Jan. 2015 NITI AAYOG was started

पहली जनवरी 2015 नीति आयोग की शुरूआत

NITI AAYOG → National Institute for Transforming India

pdf WhatsApp C 9414918626

CH.: 8. Financial Market / वित्तीय बाजार

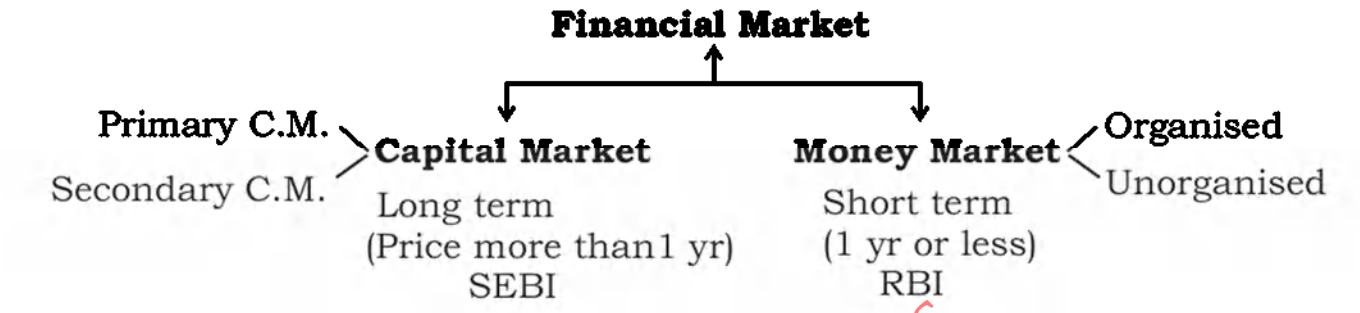

Long term → Maturing period more than 1 yr

Initial Public Offer (IPO): It is the instrument used by issuer companies to raise investment from capital market.

प्रारम्भिक सार्वजनिक प्रस्ताव : इसे जारीकर्त्ता कम्पनियाँ इस्तेमाल करती है, ताकि निवेशकों से पैसा लिया जा सकता है।

→ Small denomination of initial public offer is known as share /

IPO / के छोटे–छोटे हिस्सों को शेयर कहा जाता है।

Primary Market: It is a place where trading is done directly b/w issuer and investor.

प्राथमिक बाजार : यहाँ पर व्यापार जारीकर्त्ता और निवेशकों के बीच होता है।

→ New capital issuer is always takes place in primary market.

नये कैपिटल को प्राथमिक बाजार में जारी किया जाता है।

Secondary Market: It is a place where trading is done among investors.

द्वितीय बाजार : यहाँ पर निवेशकों के बीच व्यापार किया जाता है।

(NSE) National Stock exchange: Est. → 1992

- Index of NSE is Nifty.
- It based on average price of 50 companies

pdf WhatsApp G 9414918626

- स्थापना 1992
- इसका Index निफ्टी कहलाता है।
- ये 50 कम्पनियों के औसत कीमत पर निर्धारित होता है।

(BSE) Bombay Stock Exchange:- Est. → 1875

- Oldest stock exchange in India as well as Asia.
- Index of BSE is Sensex.
- It is based on average price of 30 companies
  - स्थापना 1875
  - इसका Index सेंसक्स कहलाता है।
  - ये 30 कम्पनियों के औसत कीमत पर निर्धारित होता है।

pdf WhatsApp @ 9414918626

SEBI (SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA)

- Est. → 1988, H.Q. → Mumbai /

  स्थापना 1988, मुख्यालय : मुम्बई

- Got legal status under SEBI Act 1992.

  इसको कानूनी अधिकार SEBI Act 1992 में दिया गया।

- Branches → Kolkata, Chennai & Delhi.
- Present Chairman → Ajay Tyagi
- Known as Regulator of capital market, also known as watch dog of capital market.

  इसे पूँजी बाजार का संचालक कहा जाता है।

Bulls:

Those group of investor who invest in Capital market / निवेशकों का वो समूह जो पूँजी बाजार में निवेश करता है।

Bears:

Those group of investors who disinvest in capital market / निवेशकों का वो समूह जो पूँजी बाजार में विनिवेश करता है।

CREDIT Raing Agencies

In India →

CRISIL → Credit Rating information of India limited.

CARE → Credit Analysis and Research limited.

ICRA→ Investment Information and Credit Rating Agency of India Limited

ONICRA → Onida Individual Crediting Rating agency of India Limited

International

SP → Standard and Poor

Pdf Whats App C 9414918626

MONEY MARKET / मुद्रा बाजार

Organised Money Market / संयोजित मुद्रा बाजार

It has 8 instruments / इसके 8 प्रकार है :

1. Treasury Bill (T – Bill) / खजाना बिल

- Organised in - 1986 / इसे 1986 में संयोजित किया गया।
- It meets short term liquidity upto period of 364 days / ये 364 दिनों के लिये तरलता की कमी को पूरा करता है

2. Commercial Bill / वाणिज्यिक बिल

- Organised in - 1990 / इसे 1990 में संयोजित किया गया।
- Issued by NBFCs (Non-Banking Financial Companies) / इसे NBFCs के द्वारा जारी किया जाता है।

3. Certificate of Deposit / जमा प्रमाणपत्र

- Organised in - 1989 / इसे 1989 में संयोजित किया गया।
- It is for 1 year, can extend upto 3 years / ये एक साल के लिए होता है और तीन साल तक के लिए बढ़ाया जा सकता है।

4. Commercial Paper / वाणिज्यिक कागज

- Organised in - 1990 / इसे 1990 में संयोजित किया गया।
- Used by corporate houses / कॉपोरेट हाउस द्वारा इस्तेमाल किया जाता है।

5. Call Money / कॉल मनी

- Here lending is generally for 1 day & maximum for 14 days / इसकी वैधता एक दिन से ज्यादा 14 दिन तक होती है।

6. Cash Management Bill / नकद प्रबंधन बिल

- Started in 2009 / इसे 2009 में शुरू किया गया।
- Issued for maturities less than 91 days / ये 91 दिनों से कम के लिये जारी किया जाता है।

7. Mutual Funds / म्यूचुअल फंड

- It is regulated by SEBI & RBI / इसे RBI और SEBI दोनों के द्वारा संचालित किया जाता है।
- It is a fund in which large number of investor put their money and managed by professionally qualified person with experience in investment / इसमें बहुत सारे निवेशक अपना पैसा लगाते है जिसको पेशेवर व्यक्ति द्वारा प्रबंधित किया जाता है।

8. Repo's and reverse repos's / रेपो दर और उल्टा रेपो दर

pdf WhatsApp C 9414918626

CH.: 9. National Income / राष्ट्रीय आय

National Income

It is the value of all final goods and services produced in one financial year. (Value of goods + value of services)

राष्ट्रीय आय :

एक वित्तीय वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं की कुल मूल्य को हम राष्ट्रीय आय कहेंगे।

GNP & GDP

GDP (Gross Domestic Product)

It is the total income earned in a domestic boundaries whether income of Indians or foreigners.

सकल घरेलू उत्पाद

एक राष्ट्र की सीमा कें अंदर कमाई गई सारी आय चाहे वो भारतीय के द्वारा हो या विदेशी।

GNP (Gross National Product)

When we exclude income of foreigners (living in India, remitting outside India) from GDP and include income of Indians (living outside India, remitting to India), we get GNP.

सकल राष्ट्रीय उत्पाद

जब हम विदेशी लोगों की आय (जो भारत में कमाकर भारत से बाहर भेज रहे है) को GDP से हटा दे और भारतीय लोगों की आय (जो भारत के बाहर कमाकर भारत में भेज रहे है) उसे जोड़ दे, तब सकल राष्ट्रीय उत्पाद आता है।

GNP = GDP + [–F (x) + Indians]

GNP = GDP + [Net foreign income]

Gross & Net:

Gross :

It is the aggregate value without any deduction.

सकल :

कुल मूल्य जिसमें से कोई भी चीज घटाई नहीं गई हो।

Pdf WhatsApp G 9414918626

NET :

When we include all types of depreciation from gross. We get net.

शुद्ध :

जब हम सकल से **मूल्यह्रास** को हटा दे, तो शुद्ध बचता है।

Market Price and Factor Cost / बाजार मूल्य और कारक लागत

Market Price : The price at which a product is sold in market.

बाजार मूल्य : वो कीमत जिसमें एक वस्तु को बाजार में बेचा जाता है।

Factor Cost : The price at which a product is produced

कारक लागत : वो कीमत जिसमें एक वस्तु को बनाया जाता है।

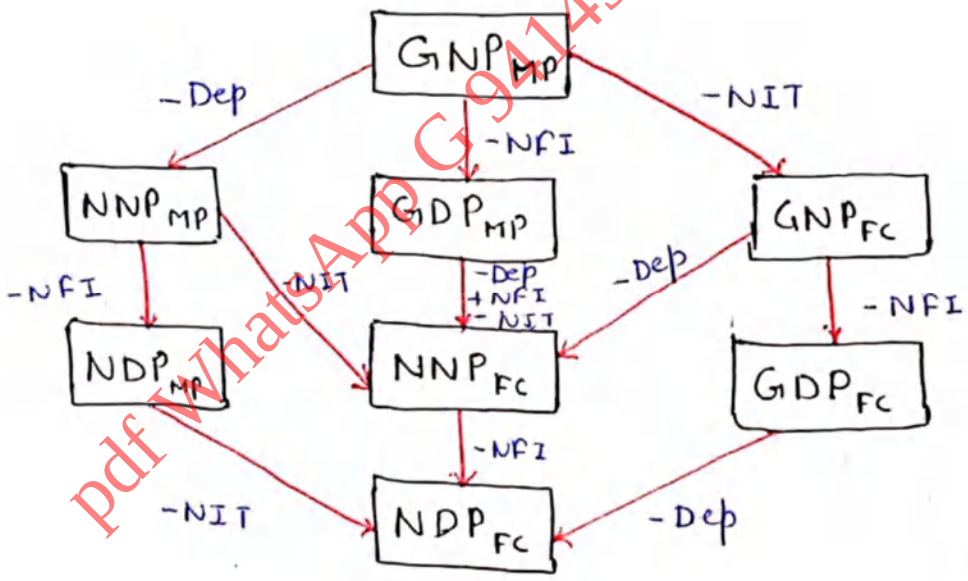

pdf WhatsApp G 9414918626

Questions :

1. Who was the first person to calculate national income in India?
   सबसे पहली बार भारत में राष्ट्रीय आय किसने निकाली थी?

A. Dadabhai Noroji / दादाभाई नौरोजी

2. Which term is also know as national income in India?
भारत में राष्ट्रीय आय और किस नाम से जानी जाती है?

A. NNP_{FC}

3. Who calculate national income in India?
भारत में राष्ट्रीय आय कौन निकालता है?

A. CSO (Central Statistical Organisation) / केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन

4. Which is the base year for calculting national income?
भारत में राष्ट्रीय आय के लिए आधारवर्ष क्या है?

A. 2018

5. Which method is not used for calculating national income?
राष्ट्रीय आय को निकालने के लिए कौन सा तरीका इस्तेमाल नहीं किया जाता?

A. (a) Income Method,
आय का तरीका,

(b) Expenditure Method,
खर्चों का तरीका,

(c) Saving Method
बचत का तरीका,

(d) Production Method
उत्पाद का तरीका

pdf WhatsApp G 9414918626

CH.: 10. Types of Market / बाजार के प्रकार

1. Perfect Competition Market :

- Large number of buyers and sellers
- Selling homogeneous product (same)
- Price taker
- Freedom of entry & exit
- It is an imaginery condition.

पूर्ण प्रतियोगिता बाजार :

- बहुत सारे खरीदने वाले, बहुत सारे बेचने वाले,
- एक तरह की वस्तुएँ बेचते है,
- कीमतों को लेने वाले कहलाते है,
- आने और जाने में आसानी होती है
- ये कल्पनिक स्थिति होती है।

2. Monopoly :

- Single seller
- Large number of buyers
- No close substitute of product available
- Price maker
- Restriction to entry and exit.
- Indian railway

एकाधिकार

- एक बेचने वाला बहुत सारे खरीदने वाले,
- वस्तु की कोई भी स्थान्नपन वस्तुएँ मौजूद नहीं होती,
- कीमतों को बनाने वाले होते है,
- आने और जाने में पाबंदियाँ होती है,
- उदाहरण भारतीय रेल सेवा

3. Monopolistic :

- Large no. of buyer and seller
- Selling differentiated product

pdf WhatsApp G 9414918626

- Freedom of entry and exit
- Sabzi mandi, sellers of branded items.

एकाधिकारी

- बहुत सारे खरीदने वाले, बहुत सारे बेचने वाले,
- अलग तरह की वस्तुएँ बेचते है,
- आने और जाने में आसानी होती है
- उदाहरण : सब्जी मंडी, ब्रेडिड वस्तुएँ

4. Oligopoly :

- Few sellers and large no. of buyers
- Interdependent pricing policy.
- Form cartel (group)
- Restrictions to entry but freedom of exit.
- Eg: OPEC (organization of petroleum)

अल्पाधिकार :

- कुछ बेचने वाले, बहुत सारे खरीदने वाले
- कीमतों को निर्धारित करने के लिए, एक–दूसरे पर निर्भर होते है,
- संगठन बना लेते है,
- आने में पांबदियाँ लेकिन जाने में कोई भी पाबंदी नहीं होती।
- Eg: OPEC (organization of petroleum)

5. Bilateral Monopoly :

- Single seller, single buyer
- E.g: Labour union Industry
- Raw material Industry

दो तरफ से एकाधिकार :

- एक ही बेचने वाले, एक ही खरीदने वाला

pdf WhatsApp G 9414918626

CH.: 11. Theory of Consumer / उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धांत

It has 3 components

1. **Utility:** Satisfying power of a commodity.
2. **Total Utility:** It is usm of utility derived from difference units of commodity consumed by a consumer.
3. **Marginal Utility:** Additional utility derived from consumption of one extra unit commodity.

Statement: Law of demination marginal utility states that if we consumes more and more of same commodities (keeping all decreasing and the point is reach when we no longer wants it.

It has 3 stages

1. When total utility increases, marginal utility decreases.
2. When total utility is maxi, marginal utility becomes zero.
3. When total utility goes on decreases, narginal utility becomes negative.

pdf WhatsApp C 9414918626

Units	Total Utility	Marginal Utility
1	30	30
2	50	20
3	65	15
4	72	7
5	73	1
6	71	–2

❑❑❑

Foreign Trade

Balance Of Payment

It refers to the outcome of all the total transactions of an economy between the residents and the rest of the world carried out in a specific period of time. It presents a classified record of all receipts and payments made. The balance of payment of an economy is calculated on the principles of accountancy (double entry book system), every entry shows either debit (outflow) or credit (inflow).

If there is a positive outcome at the end of the year, the money is transferred to the foreign exchange reserve of economy.

If there is a negetive outcome at the end of the year, the same foreign exchange is drawn from the country's forex reserve.

If these forex reserves are not capable of fulfilling the negetive balance, it is known as BOP crisis and economy tries different means to solve the crisis.

pdfWhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

Balance of Payment statement is divided into two major accounts i.e., capital account and current account.

Current Account

The transactions relating to goods, services and income constituting the current account on the balance of payment

It is classified into two categories

(i) Merchandise
(ii) Invisibles.

Import & export of goods are of merchandise nature. They should be presented on f.o.b (free on board) basis i.e. without including freight and insurance cost. Such freight and insurance cost should be covered under "invisible" transactions.

Cost of service, income and transfer payment (i.e., payment & remittances without any repayment obligations) are of invisible nature.

Indian authorities provides invisible data under 8 heads.

(i) travel
(ii) transportation
(iii) insurance
(iv) investment income
(v) Government (not included elsewhere)
(vi) miscellaneous (receipt & payment for patents & royalties)
(vii) Transfer Payment (official)

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

(VIII) Transfer payment (private)

All transactions are shown either inflow or outflow (credit & debit). At the end of the year, the current account might be positive or negetive. The positive one shows 'surplus' current account and negetive one shows ~~'negetive'~~ 'deficit' current account. The deficit current acount should be met by liquidation (selling) of its assets or through borrowing abroad. If it is repeated, a serious balance of payments can result, forcing the country to draw down its foreign exchange reserves.

pdf WhatsApp G 9414918626

__Capital Account__

It is divided into three main sectors

(i) Private capital
(ii) Banking capital
(iii) Official capital.

__Private capital__ is divided into long term & short term capital

__long term private capital__ covers foreign investments long term loans etc.

__Banking capital__ covers external financial assets and liabilities of commercial and co-operative banks authorised to deal in foreign exchange.

Scanned by CamScanner

Official capital transactions contains RBI's holdings of foreign currency assets, loans, miscellaneous receipts and payments.

There is not deficit or surplus in this account like current account.

Balance of Trade

Balance of payment is much wider concept then balance of trade.

Balance of payment is the record of all economic transactions but Balance of trade is the difference between of total exports and imports of an economy in one financial year. It might be positive and negetive.

A positive balance of trade turns out to be a favourable condition for economy.

Whereas, a negetive balance of trade turns out to be a unfavourable condition for an economy.

pdf WhatsApp G9414918626

Scanned by CamScanner

Foreign Exchange Market

The market where different currencies can be brought and sold is called the foreign exchange market. Exchange rates in any economy is characterised into three nature.

(i) **Fixed Exchange Rate** →
Under this, exchange rate of a particular currency was fixed by the IMF keeping the basket currencies in mind.
Basket currencies includes the U.S. Dollar, Euro, Japanese Yen, pound sterling and the chinese renminbi.
Exchange rates of currencies were modified by the IMF from time to time. Fixed exchange rates provides credibility, transparency, very low inflation and financial stability. These rates seems to be appropiate for small economies.

(ii) **Floating Exchange Rate** →
Under this exchange rate, there is no intervention of government. Under this, currency's value is determined by the free play of demand and supply forces. They are also known as market driven exchange rate. It is easier form of exchange rate and is suitable for developing economies.

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

(iii) Managed Exchange Rates

A managed exchange rate system is a hybrid or mixture of fixed and flexible exchange rates system in which the government of an economy attempts to affect the exchange rate directly by buying or selling foreign currencies or indirectly through monetary policies. Most countries in the present day world are following this method. Exchange rates plays an important roles for managing policies; costs, inflations etc of an economy. It is also considered as "Fixed but Adjusting Rate".

Exchange Rate Management In India:

After gaining independence, India adopted fixed currency system where rupee's external value was fixed at 4.15 grains of fine gold. In terms of currencies, the exchange rate was fixed to pound sterling at ₹13.33 per pound sterling (or ₹4.76 per US dollar) in september 1949. Means, during earlier stages of an Indian economy (after gaining independence), India followed fixed exchange rate system till 1975.

From 1975 to 1992, the exchange rate of rupee was officially determined by the Reserve Bank of India with a nominal band of +/- 5% of the

pdf WhatsApp @ 9414918626

Scanned by CamScanner

of the weighted basket of currencies.

From 1993, onwards India moved to the floating currency regime which is also known as "dual exchange rate" which is very closed to managed exchange rates. None of the economies till date have followed an ideal free-floating exchange rates. They require some mechanism to intervene in foreign exchange market because this is highly speculative market.

"The nominal exchange rate of rupee vis-a-vis the US dollar was around ₹ 31.37 per dollar over the period March 1993 to August 1995. The average exchange rate for five year period 2003-04 to 2007-08 was ₹ 43.1 per dollar and it depreciated to an average of ₹ 51.1 per US dollar over five year period 2009-10 to 2013-14. The exchange rate of rupee was ₹ 64.81 per dollar at end March 2017 and ₹ 65.18 per dollar at end March 2018."

Trade Policy

The economic policy which regulates the import export activities of any economy is known as the trade policy. It is also known as foreign trade policy or Exim Policy.

pdf WhatsApp C 9414918626

Scanned by CamScanner

Depreciation

In foreign exchange market, depreciation means when currency losses its value in front of a foreign currency, if it is market-driven. In other words, depreciation means when currency losses its value due to the forces of demand & supply naturally in market. It means depreciation in a currency take place if the economy follows the floating exchange rate system.

Devaluation

In foreign exchange market when exchange rate of a domestic currency is cut down by the government against any foreign currency artificially then it is known as devaluation.

pdf WhatsApp G 9414918626

Depreciation / Devaluation Effects

Depreciation or devaluation encouraged exports while discouraged imports. Exporters become more competitive in the global market. For example, goods from one country must compete with those from all other countries. Car makers in America must compete with car makers in Europe and Japan. If the value of euro decreases

Scanned by CamScanner

against dollar, the prices of the cars sold by European manufacturers in America in dollars will be effectively less expensive than they were before.

But one should keep two important things in mind.

(1) As the demand for country's exported goods increases worldwide, the price will begin to rise, thus normalizing the initial effect of the devaluation.

(2) As other countries see this effect at work, they will be incentivized to devalue their own currencies This can lead to tit for tat currency wars.

Appreciation

In foreign exchange market, if the currency gains or increases value infront of another foreign currency if it is market-driven. In another words, appreciation means when currency gains value due to the market forces of demand & supply naturally.

Revaluation

In foreign exchange market, ~~is exhibits~~ where a government increases the exchange rate of its currency against any foreign currency artificially,

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

then it is known as revaluation.

Appreciation / Revaluation Effect

Export costs rise! → If the U.S. dollar appreciates foreigners will find American goods more expensive because they have to spend more for those goods in USD. That means that the higher price, the less number of U.S. goods being exported will likely drop. which leads to reduction in G.D.P.

Cheaper imports ! → If American goods become more expensive on the foreign market, foreign goods or imports will become cheaper in the U.S. These lower prices leads to lower inflation rates.

Special Drawing Rights

A form of international money, managed or created by International Monetary Fund and defined as a weighted average of various basket currencies (US Dollar, Euro, Japanese Yen, pound sterling and the chinese renminbi)

pdf WhatsApp @ 9414918626

Scanned by CamScanner

Forex Reserves.

The total foreign currencies (of different countries) an economy possesses at a point of time is known as "foreign currency assets". The forex reserves of an economy is its "foreign currency assets" addded with its gold reserves, SDRs and Reserve Tranche in IMF. RBI holds forex reserves.

Hard Currency.

It is the international currency in which the highest faith is shown and is needed by every economy. It has the highest level of liquidity.

Soft currency

It is opposite of hard currency.

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

अंतरराष्ट्रीय व्यापार

भुगतान संतुलन

यह एक अर्थव्यवस्था से दूसरे देश की अर्थव्यवस्था में की गई सारी लेन-देन (जो की एक वर्ष के दौरान की गई हैं) का विवरण कहलाता है।

अगर यह विवरण सकारात्मक आता है साल के आखिरी में तो, इसके पैसों को विदेशी मुद्रा भंडार में डाल दिया जाता है।

और अगर यह विवरण नकारात्मक आता है तो इसको देश के विदेशी मुद्रा भंडार से निकाल लिया जाता है।

और अगर विदेशी मुद्रा भंडार असमर्थ है नकारात्मक विवरण को भरने में तो इसे BOP crisis (BOP संकट) कहा जाता है। और देश तरह तरह के तरीके खोजकर इसे सही करने की कोशिश करता है।

इसे दो भागों में बांटा गया है।

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

① पूंजी खाता
② जारी खाता

जारी खाता (current Account)

इसमे वस्तुओं, सेवाओ और आय से संबंधित लेनदेन को लिखा जाता है।
इसे दो भागो मे बाँटा गया है।

① Merchandise (व्यापार)
② Invisibles (अदृश्य)

आयात और निर्यात संबंधित लेनदेन व्यापार (Merchandise) कही जाती है।

आय, भुगतान का स्थानांतरण*, सेवाए संबंधित लेनदेन अदृश्य कहलाते है।

* इसका मतलब ऐसी लेनदेन जिसमे वापसी की जगह न हो।

पूंजी खाता

इसको तीन क्षेत्रो मे बांटा गया है।

① Private capital (निजी पूंजी)
② Banking capital
③ Official capital

pdf WhatsApp @ 9414918626

Scanned by CamScanner

Special Drawing Rights
विशेष रेखा-चित्र अधिकार

विशेष रेखा-चित्र एक खास तरह की रिजर्व मुद्रा है अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने वर्ष 1969 में इसका निर्माण किया। इसका संचालन भी अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ही करता है। इसे टोकरी मुद्राओं के भारित औसत के रूप में परिभाषित किया गया है।

टोकरी मुद्राओं → Dollar, Euro, Yen, (Basket currencies) Pound sterling and Renminbi

pdf WhatsApp G 9414918626

Forex Reserves
विदेशी मुद्रा भंडार

यह अर्थव्यवस्था की विदेशी मुद्रा संपत्ति, सोने का भंडार, विशेष रेखा-चित्र अधिकार और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में रखी संपत्ति का जोड़ होता है। आर.बी.आई के पास विदेशी मुद्रा भंडार रखा जाता है।

Scanned by CamScanner

Hard Currency
दुर्लभ मुद्रा

यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा है जिसमे उच्चतम विश्वास दिखाया जाता है और इसकी आवश्यकता हर अर्थव्यवस्था को होती है। इसकी तरलता सबसे ज्यादा होती है।

Soft currency.
नरम मुद्रा.

यह एक उतार चढ़ाव वाली मुद्रा है जिसमे सबसे कम विश्वास किया जाता है। इसकी तरलता सबसे कम होती है।

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

विदेशी विनिमय बाजार
Foreign Exchange Market.

यह वो जगह है जहा पर विभिन्न मुद्राएं लाई और बेची जाती है। इनके तीन प्रकार होते है।

1. Fixed Exchange Rate
   स्थिर विनिमय दर
2. Floating Exchange Rate
   अस्थाई विनिमय दर
3. Managed Exchange Rate
   प्रबंधित विनिमय दर

pdf WhatsApp G 9414918626

स्थिर विनिमय दर

यह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के द्वारा निर्धारित किया जाता है, दोनों मुद्राओं को ध्यान मे रखते हुए। स्थिर विनिमय दरों को समय-समय पर IMF द्वारा संशोधित किया जाता है। यह छोटी ~~अर्थव्यवस्था~~ अर्थव्यवस्थाओ के लिए सही माना जाता है।

अस्थाई विनिमय दर

इसमे सरकार का कोई हस्तक्षेप नही होता है।

Scanned by CamScanner

इस विनिमय दर को बाजार की मांग और पूर्ती द्वारा निर्धारित किया जाता है। यह एक आसान विनिमय दर है जोकि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी होता है।

<u>प्रबंधित विनिमय दर</u>

यह स्थाई और अस्थाई विनिमय दरो का मिश्रण कहा जाता है। यहाँ सरकार प्रत्यक्ष तरह से विनिमय दरों ~~के~~ पर प्रभाव डालती है बाजार मे विदेशी मुद्रा को खरीद और बेचकर। या फिर अप्रत्यक्ष तरीके से मौद्रिक नितियो मे बदलाव डालकर प्रभाव डालती है।

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

Trade Policy
व्यापारिक नीतियाँ

वह आर्थिक नीतियां जो आयात और निर्यात ~~नियम~~ नीतियों को नियंत्रित करती है उसे हम व्यापारिक नीतियाँ कहते है।

Devaluation
अवमूल्यन

जब किसी विदेशी मुद्रा के विरुद्ध सरकार द्वारा कृत्रिम रूप से घरेलू मुद्रा की विनिमय दर मे कटौती की जाती है।

Depreciation
मूल्य ह्रास

जब किसी विदेशी मुद्रा के विरुद्ध ~~सरकार द्वारा~~ घरेलू मुद्रा की विनिमय दर मे कटौती बाजार के मांग और पूर्ति अनुसार होती है।

Devaluation / Depreciation अर्थव्यवस्था मे निर्यात को बढ़ावा देता है और आयात को कम करता है।

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

Appreciation
अभिमूल्यन

जब किसी विदेशी मुद्रा के विरुद्ध घरेलु मुद्रा के की विनिमय दर बढती है बाजार के मांग और पूर्ति के अनुसार।

Revaluation
पुनर्मूल्यांकन

जब किसी विदेशी मुद्रा के विरुद्ध सरकार घरेलु मुद्रा की विनिमय दर को बढाता है कृत्रिम रूप से।

Revaluation / Appreciation अर्थव्यवस्था मे आयात को ~~बढ़ाता~~ बढाता है और निर्यात मे कमी करता है।

pdf WhatsApp G 9414918826

Scanned by CamScanner

Unemployment
बेरोजगारी

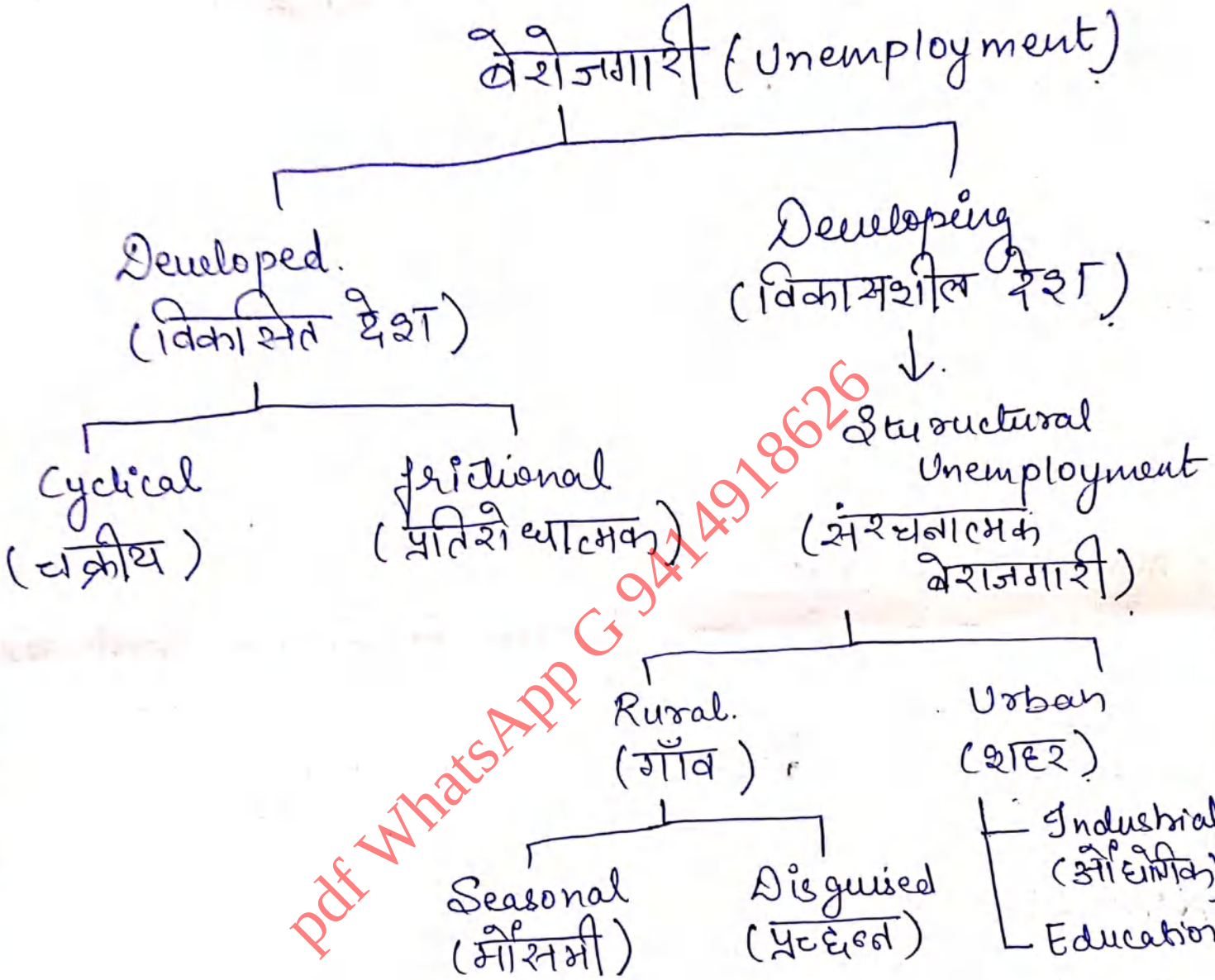

pdf WhatsApp G 9414918626

Cyclical Unemployment

It is a situation of overall unemployment due to regular ups and downs or cyclical trends in growth and production, that occurs in business cycle.

चक्रीय बेरोजगारी → इस प्रकार की बेरोजगारी अर्थव्यवस्था में चक्रीय उतार-चढ़ाव के कारण पैदा

Scanned by CamScanner

होती है। जब अर्थव्यवस्था मे समृद्धि का दौर होता है तो उत्पादन बढता है रोजगार के नए अवसर पैदा होते है और जब मंदी का दौर आता है तो उत्पादन कम होता है और कम लोगों की जरूरत होती है जिसके कारण बेरोजगारी बढती है।

Frictional unemployment

It is temporary phenomenon. It occurs when some people are temporary out of work while changing their jobs.

प्रतिरोधात्मक बेरोजगारी

ऐसा व्यक्ति जो एक रोजगार को छोडकर किसी दूसरे रोजगार मे जाता है, तो दोनो रोजगारो के बीच की अवधि मे वह बेरोजगार हो सकता है।

~~Structural~~

Structural unemployment

It is caused by decline in demand for production in particular industry. for example, due to decline in demand of scooter in India, structural unemployment occurs in this field.

संरचनात्मक बेरोजगारी

यह तब आती है जब बाजार मे दीर्घकालिक स्थितियों मे बदलाव आता है। उदाहरण → भारत मे स्कूटर का उत्पादन बंद हो गया और कार का बढ गया। इस नए विकास के कारण स्कूटर के उत्पादन मे लगे मिस्त्री

pdf WhatsApp C 9414918626

Scanned by CamScanner

बेरोजगार हो गए और कार बनाने वाले बढ़ गयी।

Seasonal unemployment

It occurs when people are unemployment at certain times of the year, because they work in industries where they are not needed all years rounded. Eg agriculture, tourism, farming

मौसमी बेरोजगारी तब होती है जब लोग वर्ष के निश्चित समय पर बेरोजगार होते है, क्योंकि वे उन उद्योगों मे काम करते है जहा उन्हे पूरे वर्ष की आवश्यकता नही होती है। Eg → कृषि क्षेत्र, पर्यटन क्षेत्र।

Disguised unemployment

Here people seems to be employed but are actually not. Here productivity of that labours or workers are zero, that why, if they are removed, total productivity will not be effected

प्रच्छन्न बेरोजगारी →
इसमे कुछ लोगो की उत्पादकता शून्य होती है अर्थात यदि इन लोगो को उस काम से हटा भी लिया जाये तो भी उत्पादन मे कोई अंतर नही आएगा।

Voluntary Unemployment

It is a situation where the unemployed choose not to accept a job at going wage rate. Here

pdfWhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner

Unemployed person is one who rejects a position while looking for one with better pay or benefits.

स्वेच्छिक बेरोजगारी

ऐसा व्यक्ति जो बाजार मे प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने को तैयार नही है अर्थात वह ज्यादा मजदूरी की मांग कर रहा है। जो कि उसको मिल नही रही है इस कारण वह बेरोजगार है।

Chronic Unemployment

When unemployment tends to be a long term feature of a country (underdeveloped)

जब कोई देश अविकसित होने के कारण अपने लोगो को रोजगार नही दे पाए.

pdf WhatsApp G 9414918626

Scanned by CamScanner